सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 144 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 29 जून, 2024

मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
– हेलेन केलर

खिताबी सूखा खत्म करने उतरेगी टीम... 7 | अपनों के बयानों से फंस रही है... 3 | सुरक्षा के नाम पर जम्मू-कश्मीर... 2

मोदी जी! कब तक होता रहेगा युवा भविष्य के साथ खिलवाड़

'हमारी कब सुनेगी सरकार'

- » छात्र बोले- गंभीर है मुद्दा सांसद हमारा दर्द समझें
- » विपक्ष के निशाने पर एनडीए की मोदी सरकार
- » सोमवार को विपक्ष फिर उठाएगा मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का सत्र चल रहा है। शुक्रवार को नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए हंगामे के बीच सदन को सोमवार तक स्थगित कर दिया गया। पिछला हफ्ता सांसदों के शपथ, लोक सभा अध्यक्ष के चुनाव व राष्ट्रपति के अभिभाषण के चलते बिना किसी बहस के चला गया।

हालांकि पांचवें दिन कांग्रेस ने नीट मामले में बहस के लिए नोटिस दिया पर सरकार व लोस स्पीकर ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा के नाम पर उसे अस्वीकार कर दिया। यहां पर सत्ता पक्ष द्वारा परंपरा व नियमों की दुहाई दी जाती रही और हंगामा होता रहा। पर इन सबसे दूर बाहर बैठे युवा छात्र व उनके परिजन सरकार व नेताओं से बस यही पूछ रहे हैं कि देश के युवा व छात्रों के साथ कब तक खिलवाड़ होते रहेंगे और कब सुनेगी सरकार। उधर विपक्ष ने संकेत दिए हैं कि वह नीट व यूजीसी मामले में सोमवार को भी चर्चा की मांग करेगा और एनडीए की मोदी सरकार को घेरेगा। वहीं तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने मोदी व आठ राज्यों के सीएम को पत्र लिखा है और राष्ट्रीय स्तर पर परीक्षा को समाप्त करने की मांग की है।

पीएम आम सहमति की सिर्फ बात करते हैं : सोनिया गांधी

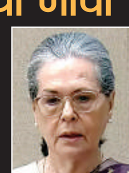

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने अपने एक लेख से पीएम मोदी पर निशाना साधा है। एक प्रमुख अंग्रेजी अखबार में लिखे संपादकीय में सोनिया गांधी ने लिखा, पीएम मोदी संसद में आम सहमति की बात तो करते हैं, लेकिन वो खुद टकराव को बढ़ावा देते हैं। सोनिया ने आगे लिखा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि प्रधानमंत्री लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों को समझे हैं सहमत हैं और उन्होंने मतदाताओं के संदेश पर गौर किया है। संसद में बीते दिनों विपक्ष ने नीट मामले पर बहस के लिए बड़ा हंगामा किया था, लेकिन सोनिया गांधी ने अपने लेख से साफ कर दिया है कि वो सोमवार को राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा को तैयार होगा।

नीट पेपर लीक मामले पर संसद से सड़क तक हंगामा

परीक्षा पर चर्चा करने वाले पीएम पेपर लीक पर चुप्पी साधे

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर बड़ा हमला बोला है। द हिंदू में लिखे अपने लेख में सोनिया गांधी ने नीट परीक्षा में धांधली को लेकर कहा, परीक्षा पर चर्चा करने वाले पीएम पेपर लीक पर चुप्पी साधे हुए हैं। इस परीक्षा ने देश भर के तमाम परिवारों को तबाह कर रखा है।

नीट पेपर लीक पर राहुल गांधी ने शेयर किया वीडियो

संसद सत्र के 5वें दिन भी लोकसभा और राज्यसभा में खूब हंगामा हुआ। आज लोकसभा में राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक का मामला उठाया। इतना ही नहीं उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही के बाद एक्स पर एक वीडियो मैसेज शेयर किया। जिसमें पेपर लीक पर सवाल खड़ा करते हुए इसका समाधान निकाले पर बात की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए कहा कि हर कोई जानता है कि नीट का पेपर लीक हुआ है और कुछ लोगों ने हजारों- करोड़ों रुपये कमा लिए। हालांकि इन सबके बीच उन सभी उन सभी छात्रों के सपने बर्बाद हो गए हैं। इसलिए कल विपक्ष की बैठक में मैंने छात्रों के इस मुद्दे को उठाया था और कहा था कि इस पर एक पूरे दिन चर्चा करने की जरूरत है। हम अपने छात्रों की परवाह करते हैं जो हमारे देश का भविष्य हैं। इसके बाद उन्होंने मैसेज में आगे कहा कि सभी विपक्षी दलों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि हमें एक शांतिपूर्ण तरीके से चर्चा करनी चाहिए। जब मैंने संसद में यह मुद्दा उठाया तो मुझे बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जबकि इससे 2 करोड़ छात्र प्रभावित हुए हैं, हमें इस मुद्दे का समाधान खोजना होगा। ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री जिन्हें चर्चा का नेतृत्व करना है वो बहस ही नहीं चाहते हैं।

लद्दाख में एलएसी के पास बड़ा हादसा, नदी में बहे सेना के 5 जवान

- » टैंक अभ्यास के दौरान बढ़े जलस्तर से घटी घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लेह। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में भारतीय सेना के जवानों के साथ एक बड़ा हादसा हुआ है। सेना के जवान लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में नदी पार करने का टैंक अभ्यास कर रहे थे। इस दौरान अचानक से नदी का जलस्तर बढ़ गया, जिसके चलते सेना के पांच जवान बह गए। भारतीय सेना के जवानों के साथ ये हादसा चीन के साथ लगने वाली सीमा यानी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास हुआ है। उधर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जवानों को श्रद्धांजलि दी।

दौलत बेग ओल्डी कारकोरम रेंज में स्थित है, जहां सेना का बेस मौजूद है। अधिकारियों ने बताया है कि लद्दाख में एलएसी के पास अचानक आई बाढ़ में सेना के पांच जवान बह गए हैं। सेना का टैंक नदी के एक गहरे हिस्से को पार कर रहा था, तभी वह वहां पर फंस गया। इस दौरान अचानक बढ़े जलस्तर के चलते उसमें पानी भर गया, जिससे जवान बह गए। फिलहाल सर्च ऑपरेशन जारी है।

जदयू की कार्यकारिणी बैठक पर रही सबकी नजर

संजय झा बने कार्यकारी अध्यक्ष बीजेपी और विपक्ष भी सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आज जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में शुरू हो गई है। इस बैठक की अध्यक्षता बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर समेत अन्य राज्यों के वरिष्ठ नेता मौजूद रहें। इस बैठक में संजय झा को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया।

इस बैठक के पहले बिहार में सियासी अटकलें भी तेज हो गईं। नीतीश कुमार की कुर्सी को लेकर भी तरह-तरह की बातें सामने आ रही थी। उधर इस बैठक पर जहां बीजेपी की नजर रही। वहीं विपक्षी गठबंधन इंडिया भी जदयू की बैठक पर निगाह लगाए बैठा रहा।

लोस चुनाव परिणाम और विस चुनाव पर चर्चा

सूत्रों के मुताबिक बैठक के दौरान हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के विश्लेषण और 2025 में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीतियों सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा विस चुनाव : त्यागी

जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। न केवल प्रधानमंत्री ने इसकी घोषणा की, बल्कि बीजेपी के दोनों राज्य पार्टी अध्यक्षों और सदन के नेता ने भी इसकी घोषणा की है। सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा की गई कि नीतीश कुमार एनडीए के नेता हैं और अगला चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सुरक्षा के नाम पर जम्मू-कश्मीर वालों के संवैधानिक हक कुचले जा रहे : महबूबा

शत्रु एजेंट अध्यादेश के विरोध में आईं पीडीपी नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शत्रु एजेंट अध्यादेश के विरोध में आवाज उठाई है। इसे लेकर महबूबा ने कहा कि जम्मू कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की कीमत संवैधानिक अधिकारों और कानून के शासन को खत्म करके नहीं चुकाई जानी चाहिए। महबूबा मुफ्ती का यह बयान जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन के रविवार को दिए गए एक बयान के बाद आई है, जिसमें स्वैन ने कहा है कि जो स्थानीय लोग विदेशी आतंकवादियों का समर्थन करते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ शत्रु एजेंट अध्यादेश के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, शत्रु एजेंट अध्यादेश को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम से अधिक कठोर माना जाता है। इसमें आजीवन कारावास या मृत्युदंड जैसी सजाएं शामिल हैं।

महबूबा मुफ्ती नेकहा, आतंकवादियों को बढ़ावा देने और उनकी सहायता करने के संदेह के आधार पर अपने ही नागरिकों के खिलाफ महाराजा के समय के क्रूर शत्रु अध्यादेश अधिनियम को लागू करने का जम्मू कश्मीर पुलिस का हालिया फैसला न केवल बेहद चिंताजनक है, बल्कि न्याय का एक बड़ा उल्लंघन भी है। उन्होंने आगे कहा, ये पुराने कानून मानवाधिकारों का उल्लंघन करते हैं और इसके साथ दी जाने वाली सज़ाएं संविधान में निहित न्याय के सिद्धांतों और मूल्यों के साथ पूरी तरह से असंगत हैं। सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए भारत सरकार का प्रयास संवैधानिक अधिकारों को कुचलने और कानून के शासन को खत्म करने की कीमत पर नहीं आना चाहिए।

भाजपा की नीति में कोई बदलाव नहीं : इल्तिजा

महबूबा की बेटी और उनकी मीडिया सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से पता चलता है कि कश्मीर के बारे में भाजपा की नीति में बहुत कम बदलाव होगा। इल्तिजा ने एक्स पर कहा, मियां कयूम को गिरफ्तार करने, जेके हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनावों पर प्रतिबंध लगाने और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा पूर्व महाराजा के जमाने के एक कठोर कानून को लागू करने का जम्मू-कश्मीर प्रशासन का हालिया फैसला आपको क्या बताता है अपना प्रचंड बहुमत खोने के बाद भी कश्मीर को लेकर भाजपा की नीति में कोई खास बदलाव नहीं होगा।

नौकरियों में ओबीसी की नियुक्ति में भेदभाव को रोकें सीएम : अनुप्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में ओबीसी समाज की नियुक्ति को लेकर एनडीए में ही सवाल उठने लगे हैं। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा कि ओबीसी अभ्यर्थियों की नियुक्ति को लेकर भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की साक्षात्कार वाली नियुक्तियों में ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को यह कहकर छांट दिया जाता है कि वह योग्य नहीं हैं और बाद में इन पदों को अनारक्षित घोषित कर दिया जाता है। उन्होंने पत्र में लिखा कि आप भी सहमत होंगे कि अन्य पिछड़े वर्ग, अनुसूचित जाति और जनजाति से आने वाले अभ्यर्थी भी इन परीक्षाओं में न्यूनतम अर्हता की परीक्षा अपनी योग्यता के आधार पर ही पास करते हैं और अपनी योग्यता के आधार पर ही इन साक्षात्कार आधारित परीक्षाओं के लिए अर्ह पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया भले ही कई बार में पूरी हो लेकिन हर हाल में सीटें उन्हीं वर्गों से भरी जाएं जिनके लिए आरक्षित की गई हों न कि योग्य नहीं होने की बात कहकर सीटों को अनारक्षित कर दिया जाए।

अपना परिवारवाद क्यों नहीं देखती बीजेपी : अनिरुद्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और पंचायतीराज मंत्री अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि देहरा से कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश ठाकुर पर सवाल उठाने वालों को पांच बार के सांसद अनुराग ठाकुर में परिवारवाद क्यों नहीं दिखता है। कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि देहरा में हार देखकर बौखलाहट में भाजपा नेता अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं।

कहा कि जहां तक मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी के चुनाव लड़ने का सवाल है, तो मुख्यमंत्री स्वयं कह चुके हैं कि वह व्यक्तिगत रूप से इस पक्ष में नहीं थे, लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अपने सर्वेक्षण के बाद उनकी धर्मपत्नी को ही सबसे सक्षम उम्मीदवार मानकर टिकट दिया है। राजीव बिंदल और अन्य भाजपा नेताओं को याद रखना चाहिए कि पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के बेटे अनुराग ठाकुर पांचवीं बार सांसद बने हैं। रोहित ठाकुर और अनिरुद्ध सिंह ने नेता विपक्ष जयराम ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल पर काल्पनिक दुनिया में रहकर सरकार बनाने के दावे करने का आरोप लगाया।

कहा कि जयराम ठाकुर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने और स्वयं मुख्यमंत्री बनने का सपना संजोकर बैठे हुए हैं, जबकि उन्हें मालूम है कि प्रदेश में जनता द्वारा चुनी गई सरकार पूरी तरह स्थिर और मजबूत है। कांग्रेस सरकार प्रदेश की प्रबुद्ध जनता की कसौटी पर खरी उतरी है और यही वजह है कि उपचुनावों में कांग्रेस को चार सीटों पर विजय प्राप्त हुई।

» अनुराग ठाकुर पर बरसी कांग्रेस

झूठी वाहवाही लूटना चाहती है पर्ची वाली राजस्थान सरकार : डोटासरा

» नवनियुक्तों को ज्वाइनिंग लेटर देंगे सीएम शर्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा पर जोरदार हमला किया है। बता दें जयपुर के टैगोर स्कूल में आयोजित रोजगार उत्सव के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल 7 हजार नव नियुक्त कर्मचारियों को ज्वानिंग लेटर देने जा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का इस मौके पर कहना है कि पर्ची सरकार कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को अपना बताकर झूठी वाहवाही लूट रही है। प्रदेश में आज मनाए जा रहे रोजगार उत्सव को लेकर कांग्रेस ने बयान जारी किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के रोजगार उत्सव पर सवाल खड़े किए हैं कि जिन नियुक्तियों को लेकर यह रोजगार उत्सव मनाया जा रहा है, वह कांग्रेस सरकार में दी जा चुकी थीं। डोटासरा बोले कि जिन 20 हजार नवनियुक्त कार्मिकों की भर्ती को भाजपा अपनी सरकार की उपलब्धि बता रही है, उन कार्मिकों की भर्तियों की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति गत कांग्रेस सरकार ने प्रदान की थी। इतना ही नहीं पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने ही परीक्षा आयोजित करके परिणाम जारी कर कार्मिकों को नियुक्ति देने का कार्य किया था। डोटासरा बोले कि न्यायालय में लंबित प्रकरण, डिग्री सत्यापन एवं प्रतीक्षा सूची के कुछ लंबित मामलों को छोड़कर सभी कार्मिकों की नियुक्ति गत कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में संपन्न भर्तियों में हुई थी।

सीएम बताएं बीते 6 महीने में कितनी भर्ती निकाली

डोटासरा ने पूछा कि हर साल 70 हजार नौकरी का वादा कर युवाओं को झांसा देने वाली भाजपा सरकार ने बीते 6 महीने में युवाओं को नई नौकरी के नाम पर सिर्फ धोखा दिया है। उन्होंने पूछा कि मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता को बताना चाहिए कि उनके 6 महीने के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने कितने पदों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति लेकर भर्ती विज्ञापन जारी किया और कितने पदों पर भर्ती की परीक्षा प्रक्रियाधीन है।

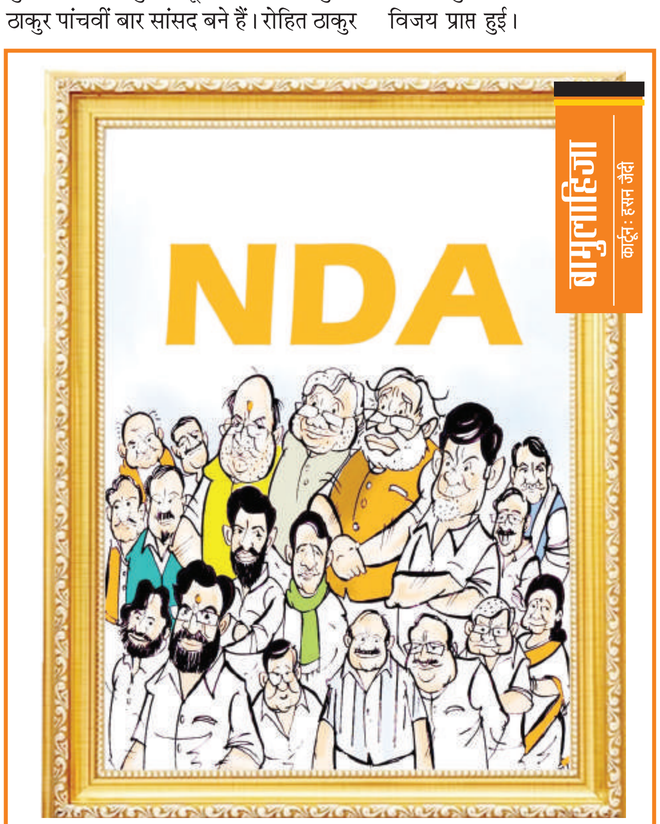

मायावती के एक और साथी ने छोड़ा साथ

» उपचुनाव से पहले कद्दावर नेता विजेंद्र सिंह ने पार्टी से दिया इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। हाल ही में बिजनौर लोकसभा सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले विजेंद्र चौधरी ने शुक्रवार को बसपा की सभी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चुनाव से ठीक पहले ही बसपा ज्वाइन की थी। इससे पहले उन्होंने पांच महीने लोकदल पार्टी में राष्ट्रीय महासचिव के पद पर रहते हुए दिल्ली तक यात्रा निकाली तथा कई बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया था।

विजेंद्र सिंह ने बताया कि उन्होंने लोकसभा चुनाव में बसपा का वोट प्रतिशत बढ़ाया है। अब समर्थकों के साथ विमर्श करके मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव की तैयारी करेंगे।

विजेंद्र सिंह को सक्रिय राजनीति में शामिल हुए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने सबसे पहले लोकसदल पार्टी का दामन थामा और राष्ट्रीय महासचिव पद प्राप्त किया। पांच महीने वे लोकदल में रहे और इस अवधि में दिल्ली तक कई यात्राएं निकाली और बड़े आयोजन करके लोकदल को एक बार फिर से चर्चा में ला दिया। लोकसभा चुनाव आया और भाजपा का राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन हो गया तो उन्होंने जीत का समीकरण बनाते हुए बसपा का दामन थाम लिया।

अपनों के बयानों से फंस रही है बीजेपी

गठबंधन में भूमिका को लेकर भाजपा पर उठा सवाल

- बिहार, कर्नाटक व महाराष्ट्र में सियासी रार
- विस चुनाव को लेकर जदयू व शिवसेना में चर्चा
- सहयोगी दल भी बीच-बीच में दे रहे झटका
- अश्विनी चौबे भाजपा की लाइन से भटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव के बाद सत्ता पक्ष व विपक्ष अपने-अपने काम में जुट गया है। अभी वर्तमान में संसद का सत्र चल रहा है इसलिए सारे सियासी दल एनडीए सरकार को घेरने की रणनीति तैयार कर रहे हैं। उधर संसद के बाहर जहां विपक्ष एनडीए के मोदी सरकार को गिरने व गिराने की बात करके बीजेपी के पेशानी पर बल लाने को काम करता रहता है वहीं बीजेपी के नेता भी अपने बयानों से अपनी पार्टी को असहज करते रहते हैं। उधर बीजपी के सहयोगी भी उसको समय-समय पर अपने बयानों से डराने की कोशिश करते रहते हैं। रह-रह कर बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक एनडीए सरकार में फूट की बातें उठ रही हैं और उस पर सियासत भी खूब हो रही है।

भागलपुर में भाजपा नेता अश्विनी कुमार चौबे ने स्पष्ट कर दिया कि बिहार विधान सभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा। उन्होंने कहा कि मेरी इच्छा है और मैंने पार्टी नेतृत्व से भी कहा है कि बिहार में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बननी चाहिए। पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा अकेले अपने दम पर सत्ता में आए और अपने सहयोगियों को भी आगे ले जाए। यही मेरी मंशा है। इसके लिए हर कार्यकर्ता को अभी से काम पर लग जाना चाहिए। मैं बिना किसी अपेक्षा के इसे बखूबी निभाऊंगा...मुझे लगता है कि हम नीतीश कुमार को साथ लेकर आगे बढ़ रहे थे, आज भी आगे बढ़ रहे हैं और आगे भी आगे बढ़ेंगे...चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का चेहरा तय होगा। पार्टी और केंद्रीय नेतृत्व यह तय करेगा। लेकिन पार्टी के संगठन को पार्टी में आयातित माल हमें कभी बर्दाश्त नहीं... इसलिए अध्यक्ष के पद पर निश्चित रूप से संगठन के मूल का व्यक्ति होना चाहिए।

येदियुरप्पा की मुश्किलों से कर्नाटक में भाजपा हैरान

उधर कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोपों की वजह से कर्नाटक भाजपा परेशान है। दरअसल उनकी जांच कर रहे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने मामलों को देखने वाली विशेष अदालत में आरोप पत्र दायर किया। सदाशिवनगर पुलिस ने इस साल मार्च में वरिष्ठ भाजपा नेता के खिलाफ छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। चूकि राज्य में वह एक कद्दावर नेता हैं उनके खिलाफ इस तरह से आरोप दायर होने से राज्य में पार्टी की छवि खराब हो सकती है जिसका प्रभाव आने वाले चुनावों में पड़ सकता है। वैसे भी रेवन्ना मामले की वजह से वैसे भी भाजपा को लोक सभा चुनावों में काफी नुकसान उठाना पड़ा था। उधर येदि पर कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने कहा कि मामले को आगे की जांच के लिए सीआईडी को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया। यह मामला 17 वर्षीय लडक़ी की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत से उत्पन्न हुआ, जिसने आरोप लगाया कि येदियुरप्पा ने 2 फरवरी को अपने आवास पर एक बैठक के दौरान उनकी बेटी से छेड़छाड़ की।सीआईडी ने मामले के सिलसिले में 17 जून को येदियुरप्पा से करीब तीन घंटे तक पूछताछ की थी। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पहले सीआईडी को मामले में येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने से रोकने के आदेश पारित किए थे। पीड़िता के भाई ने इस महीने की शुरुआत में अदालत में एक याचिका दायर की थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि मामला लगभग तीन महीने पहले दर्ज किया गया था, लेकिन जांच में कोई प्रगति नहीं हुई है। याचिकाकर्ता ने प्रार्थना की कि येदियुरप्पा को गिरफ्तार किया जाए और पूछताछ की जाए। मार्च में सदाशिवनगर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करने के बाद, कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन ने इसे आगे की जांच के लिए सीआईडी को स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया था।

सम्राट चौधरी नीतीश को बता चुके हैं नेता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी कई बार यह बात कह चुके हैं कि बिहार विधान सभा का चुनाव भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे भी लड़ेगी। लोकसभा सीट बंटवारे के समय सीट घटाए जाते समय ही भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनता दल यूनाइटेड को इस बात का आश्वासन दिया गया था और बाकी घटक दलों ने भी उसी को देखते हुए कम सीटों पर समझौता किया था। लोग लगातार सवाल कर रहे थे कि क्या 2025 के विधानसभा में भाजपा सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाड़ लड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि इसमें दिक्कत क्या है? बिहार में 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी।

नीतीश कुमार नहीं होते तो भाजपा जीरो पर आउट होती : संजय पासवान

भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री संजय पासवान ने यह कह कर हंगामा मचा दिया है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में यदि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का साथ नहीं होता तो भाजपा जीरो पर आउट हो जाती। संजय पासवान ने एक कार्यक्रम के दौरान सभा के संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने अपनी बातों पर जोर देते हुए कहा कि इस बात में सच्चाई है। साथ ही उन्होंने जन स्वराज के और चर्चित राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की भी जमकर तारीफ की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में उनकी ताकत बढ़ती जा रही है, हर जगह उनकी चर्चा हो रही है। संजय पासवान के इस बयान को पार्टी लाइन से अलग माना जा रहा है और यही कारण है कि उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक गलियारों में घमासान मचा हुआ है।

अचानक देवेंद्र फडणवीस से उद्धव की मुलाकात

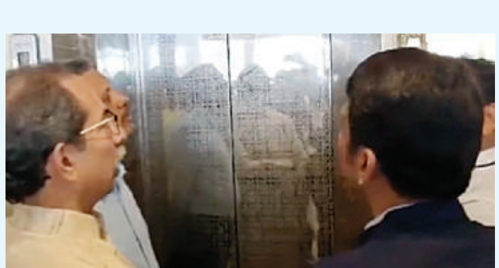

महाराष्ट्र विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन, प्रतिद्वंद्वी उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुद को लिफ्ट के इंतजार में एक साथ पाया। एक वीडियो, जो अब वायरल हो गया है, दोनों राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कुछ शब्दों का आदान-प्रदान करते हुए दिखाया गया है। हालाँकि यह पता नहीं चल पाया कि उन्होंने किस बारे में बात की, लेकिन शारीरिक भाषा से पता चला कि यह एक छोटी सी बातचीत से कहीं अधिक थी। दोनों नेता अप्रत्याशित रूप से राज्य विधानमंडल के परिसर में मिले, जब वे दूसरी मंजिल पर विधान परिषद कक्ष में प्रवेश करने की प्रतीक्षा कर रहे थे। वीडियो ने दोनों पार्टियों के दोबारा गठबंधन की अटकलें तेज कर दीं, हालांकि, उद्धव ठाकरे ने अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि यह अनौपचारिक बातचीत थी। जब ठाकरे से देवेंद्र फड़नवीस के साथ बातचीत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मजाक में कहा, यहां से हम अपनी सभी गुप्त बैठकें लिफ्ट में करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा ने कहा कि जब मैं और देवेन्द्र जी लिफ्ट में थे तो लोगों को गाना याद आया होगा, ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे। उन्होंने दावा किया कि ऐसा कुछ भी नहीं है। यह एक अप्रत्याशित मुलाकात थी। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) नेता ने संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल से भी मुलाकात की। जब बीजेपी नेता ने कथित तौर पर उद्धव ठाकरे को चॉकलेट का एक बार दिया, तो उन्होंने जवाब दिया, कल आप महाराष्ट्र के लोगों को चॉकलेट देंगे। उद्धव राज्य के बजट का जिक्र कर रहे थे जो महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को लुभाने की संभावना है। मौजूदा सत्र इस साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र चुनाव से पहले आखिरी विधानसभा सत्र है। लोकसभा चुनाव में विपक्षी एमवीए को भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और राकांपा (अजित पवार) के महायुति गठबंधन के खिलाफ जीत मिलने के बाद चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिलने की संभावना है।

केंद्र में 'लीकेज गवर्नमेंट' है : उद्धव

वहीं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार से कृषि कर्ज पूरी तरह माफ करने और इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इसे लागू करने की मांग की। ठाकरे ने राज्य विधानसभा के मानसून सत्र को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महायुति सरकार का ''विदाई'' सत्र भी बताया। केंद्र तथा राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने नीट परीक्षा और अयोध्या में राम मंदिर में पानी के रिसाव की खबरों के संदर्भ में कटाक्ष करते हुए कहा कि ये दोनों ''लीकेज गवर्नमेंट'' हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

दिखावे से कब बाहर निकलेगी सरकार!

> सियासी नेता तो सरकार घेर ही रहे हैं अब आम जन भी कह रहे हैं सरकार ने वाहवाही और चुनावों के चलते अधूरे कामों का उद्घाटन कर दिया जबकि उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया। ठेकेदार व अधिकारी भ्रष्टाचार करते रहे और सरकार फीता काटती रही अब उसकी बानगी दिखाई दे रही है। बिहार में पुल गिर रहे हैं, महाराष्ट्र में सबसे बड़ा सेतु चिटक रहा है यूपी में एक्सप्रेस-वे दरक रहे , उत्तराखंड में पहाड़ी सड़कें खिसक रही हैं।

दिल्ली में दो दिनों की बारिश के बाद मची तबाही ने मोदी सरकार के विकास के दावे की हवा निकाल दी है। अभी पिछले तीन चार महीने पहले उद्घाटन हुए इंद्रा गाधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टी-1 टर्मिनल की छत गिर गई उसमें दब कर एक व्यक्ति की मौत भी हो गई। इस घटना के बाद पूरे देश में प्रधानमंत्री मोदी के विकास की चर्चा आम से लेकर खास तक की जुबान पर चढ़ गई है। सियासी नेता तो सरकार घेर ही रहे हैं अब आम जन भी कह रहे हैं सरकार ने वाहवाही और चुनावों के चलते अधूरे कामों का उद्घाटन कर दिया जबकि उसकी गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया। ठेकेदार व अधिकारी भ्रष्टाचार करते रहे और सरकार फीता काटती रही अब उसकी बानगी दिखाई दे रही है। बिहार में पुल गिर रहे हैं, महाराष्ट्र में सबसे बड़ा सेतु चिटक रहा है यूपी में एक्सप्रेस-वे दरक रहे , उत्तराखंड में पहाड़ी सड़कें खिसक रही हैं।

यह सब एक खबर नहीं है सरकार के लापरवाही को उजागर करने वाली घटनाएं हैं। सवाल यह भी है इन घटनाओं के नुकसान का जिम्मेदार कौन है। दिल्ली में एक शख्स इस दुर्घटना शिकार बन गया। वो टैक्सी चलाकर अपने परिवार का भरन पोषण करता था। दिन रात की मेहनत के बाद वो अपने परिवार के लिए दो जून की रोटी जोड़ पाता था। उसके आंखों में भी अपने परिवार के लिए कई सपने थे, जिन्हें वह अपनी मेहनत से पूरा भी करना चाहता था। लेकिन उसे क्या पता था कि दिल्ली में शुक्रवार की सुबह हुई बारिश, उससे उसका सबकुछ छीन लेगी। यह बारिश दिल्ली एयरपोर्ट के टी 1 टर्मिनल के आउटर शेड पर ऐसी कहर बनकर टूटी की उसका एक हिस्सा ढह गया। इसी हादसे में इस कैब चालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है जब यह हादसा हुआ उस दौरान वह कैब चालिक एयरपोर्ट के इसी शेड के नीचे अपनी कार में बैठे-बैठे किसी सवारी के आने का इंतजार कर रहा था। लेकिन उसे कहां पता था कि इस बार उसकी किस्मत में कोई सवारी नहीं बल्कि बारिश मौत बनकर आई है। इस मौत के अलावा कई लोग घायल भी हो गए हैं. जबकि कई सारी गाड़ियां दब गई। घायल लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। वहीं इस हादसे के बारे में नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने एक पोस्ट में कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रख रहे हैं और घायलों को अस्पताल भेज दिया गया है। तेज बारिश में, दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में भारी जलभराव की समस्या देखने को मिल रही है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में जलभराव हुआ है। घटना हृदय विदारक है। नीति निर्माताओं को अब इस ओर गंभीरता से सोचना होगा कि आगे इस तरह की कोई घटना घटित न हो। अब तो यह भी चर्चा हो रही है कि दिखावे से कब बाहर निकलेगी सरकार।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आजादी के बाद से लोकसभा अध्यक्ष का निवास

विवेक शुक्ला

ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हो गए हैं। इस तरह उनका राजधानी के 20 अकबर रोड पर ही सरकारी आवास रहेगा। पहली लोकसभा के 1952 में गठन के साथ ही जामुन और अमलतास के पेड़ों से लबरेज अकबर रोड के 20 नंबर के बंगले का भारतीय संसद के निचले सदन से अटूट संबंध कायम हो गया था। वो रिश्ता अब भी बना हुआ है। दरअसल, 1952 में कांग्रेस के गणेश वासुदेव मावलंकर लोकसभा के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए थे। मावलंकर जी को 20 अकबर रोड का बंगला आवंटित हुआ। उसके बाद इसी डबल स्टोरी बंगले में लोकसभा अध्यक्ष रहते रहे। मावलंकर जी के 1956 में निधन के बाद शेष कार्यकाल के लिए उनके स्थान पर कांग्रेस के ही अनंतशयनम अयंगार से लेकर ओम बिरला 20 अकबर रोड में ही रहे। लुटियन जोन में गिनती के ही सरकारी बंगले डबल स्टोरी हैं। उनमें एक यह भी है।

इसका निर्माण 1925 तक हो गया था। यानी इसे बने हुए अब लगभग 100 वर्ष होने जा रहे हैं। इस बीच, ये बताना मुनासिब होगा कि 10 राजाजी मार्ग (पहले हेस्टिंग रोड) का बंगला भी डबल स्टोरी है। इसी बंगले में दो पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम और प्रणब कुमार मुखर्जी भी रहे। अगर इतिहास के पन्नों को खंगालें तो पता चलेगा कि 20 अकबर रोड में सरदार हुकुम सिंह, नीलम संजीव रेड्डी, बलराम जाखड़, रवि राय, शिवराज पाटिल, पी.ए. संगमा, जीएमसी बालयोगी, मीरा कुमार और सुमित्रा महाजन भी रहे। इन सबने लोकसभा स्पीकर के पद को सुशोभित किया। 12वीं लोकसभा के अध्यक्ष बालयोगी का इसी 20 अकबर रोड में रहते हुए निधन हुआ था। वे देश के पहले दलित समुदाय से लोकसभा अध्यक्ष बने थे। बलराम जाखड़ को 22 जनवरी, 1980 को लोकसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। यद्यपि जाखड़ को पीठासीन अधिकारी के रूप में पिछला कोई अनुभव नहीं था, तथापि उन्हें सौंपी गई नई भूमिका के बहुत बड़े उत्तरदायित्व से वह बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए।

जाखड़ ने सातवीं लोकसभा में सदन की कार्यवाही का जिस तरीके से संचालन किया, उसकी सर्वत्र सराहना की गई और वह सभा के सभी वर्गों के प्रिय बन गए। इसलिए, दिसम्बर, 1984 के आम चुनाव में उनके राजस्थान के सीकर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से

लोकसभा के लिए पुन: निर्वाचित होने पर वे नई सभा की भी अध्यक्षता करने के लिए स्वाभाविक पसंद बने। सोलह जनवरी, 1985 को उन्हें एक बार फिर सर्वसम्मति से आठवीं लोकसभा का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। दिसम्बर, 1989 में आठवीं लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने पर जब जाखड़ ने अध्यक्ष पद का त्याग किया तो उन्हें स्वतंत्र भारत में लगातार दो बार लोकसभा की पूर्ण अवधि के लिए बने रहने वाले एक मात्र अध्यक्ष का अनूठा गौरव प्राप्त हुआ। यह अवधि (अर्थात 22 जनवरी, 1980 से 18 दिसम्बर, 1989 तक) एक दशक से मात्र एक माह कम थी। अब ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष बने हैं। इस तरह वो जाखड़ के बाद लोकसभा का अध्यक्ष बनने वाले दूसरे राजनेता बन गए हैं। इस बीच, सुमित्रा महाजन 20 अकबर रोड में रहते हुए सांसदों के लिए भोज की मेजबानी करती रहती थीं। उनकी दावतों में मेहमान मेंगो रबड़ी, रबड़ी मालपुआ, श्रीखंड, भुट्टे का खास व्यंजन, साबूदाना खिचड़ी, मूंग दाल कचौरी, कैरी पना और ठंडाई के अलावा अन्य व्यंजनों का आनंद लेते थे। कहते हैं, सुमित्रा महाजन युवा सांसदों से विशेष रूप मिला करती थीं ताकि उन्हें संसद की कार्यवाही के संबंध में विस्तार से जानकारी दे सकें। 20 अकबर रोड के बंगले में बदलते वक्त के साथ बहुत से बदलाव भी हुए। उदाहरण के रूप में इसमें 1978 में लिफ्ट लगाई गई थी। उस दौर में इसमें लोकसभा के अध्यक्ष के.ए. हेगड़े रहा करते थे। इसके बेडरूम पहली मंजिल में हैं। उनकी सेहत को देखते हुए लिफ्ट लगाई गई थी। यह आठ बेडरूम का बंगला है। इससे पहले शायद ही किसी बंगले में लिफ्ट लगी हो। 20 अकबर रोड के बंगले के आगे-पीछे बड़े से बगीचे हैं। उनमें भांति-भांति के पौधे और फूल लगे हुए हैं। बंगले के पिछले वाले हिस्से में सेवकों के घर भी हैं।

दरअसल, अकबर रोड पर आजादी के बाद से ही सबसे शक्तिशाली और महत्वपूर्ण हस्तियां रहती रही हैं। अकबर रोड का आगाज इंडिया गेट से होता है और यह सड़क रेस कोर्स तक जाती है। करीब पौने तीन किलोमीटर लंबी इस सड़क के दोनों तरफ कुल जमा 26 सरकारी बंगले हैं। इधर कुछ प्राइवेट बंगले भी हैं। अकबर रोड पर ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, उमा भारती, सुरेश प्रभु जैसे शक्तिशाली मंत्री भी रहे हैं। इधर के बंगलों की छतों पर आपको सुबह-शाम मोर मंडराते हुए मिल जाएंगे।

अविरल यमुना दूर करेगी दिल्ली की प्यास

पंकज चतुर्वेदी

दिल्ली में यमुना नदी को नया जीवन देने के लिए नौ साल पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अर्थात एनजीटी ने एक आदेश दिया था कि नदी का जहां तक बहाव है, उसका सीमांकन किया जाए। हालांकि, यमुना द्वारा गर्मी में छोड़ी गई जमीन पर कब्जा करने में न सरकारी महकमे पीछे रहे और न ही भूमाफिया। इसके बाबत एक कमेटी भी बनी थी जिसे मौके पर जाकर उस स्थान तक चिन्हित करना था, जहां अपने सम्पूर्ण यौवन पर आने के दौरान नदी का अधिकतम विस्तार होता है। कभी किसी ने नहीं जाना कि सावन-भादों में जब नदी उफान पर होती है तो उसे तसल्ली से बहने के लिए कितनी भूमि चाहिए। न ही कभी परवाह की गई कि नदी की गहराई कम होने से किस तरह समूचा जल-तंत्र गड़बड़ा रहा है।

यह बात सरकारी दस्तावेजों में जरूर दर्ज है कि यमुना नदी के दिल्ली प्रवेश वजीराबाद बैराज से लेकर ओखला बैराज तक के 22 किलोमीटर में 9700 हेक्टेयर की कछार भूमि पर अब पक्के निर्माण हो चुके हैं। इसमें से 3638 हेक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित बना चुका है। इसके अलावा वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं। समझना होगा कि अरावली से चलकर नजफगढ़ झील में मिलने वाली सहाबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सारे कालेखान के पास बारा पुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सात पुला या फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह कर दिया गया। अब न बरसात का पानी तालाब में जाता है और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है।

एनजीटी हर साल आदेश देता है लेकिन सरकारी महकमे भी कागज की नाव चलाकर उन आदेशों को पानी में डुबो देते हैं। दिल्ली में अधिकांश जगह पक्की सड़क या गलियां हैं, यहां से बरसात के पानी को झील-तालाबों तक कम से कम हानि के ले जाना सरल है। दुर्भाग्य है कि इस शहर में बरसने वाले पानी का अस्सी फीसदी गंदे नालों के जरिए नदी तक पहुंचने में ही बर्बाद हो जाता है। नदी भी अपनी क्षमता से पचास फीसदी कम चौड़ी और गहरी रह गई है। इसमें बरसात के पानी से अधिक तो गंदा मल-जल और औद्योगिक कचरा आता है। यमुना की गहराई घटने का क्या दुष्परिणाम होता है उसके लिए वजीराबाद जल संयंत्र का उदाहरण काफी है। यह संयंत्र वजीराबाद बैराज के पास बने जलाशय से पानी लेता है। जलाशय की गहराई 4.26 मीटर हुआ करती थी। लेकिन इसकी गाद को

> **आज दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है लेकिन यह कोई तकनीकी और दूरगामी हल नहीं है। दिल्ली शहर के पास यमुना जैसे सदानीर नदी का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। इसके अलावा छह सौ से ज्यादा तालाब हैं जो कि बरसात की कम से कम मात्रा होने पर भी सारे साल महानगर का गला तर रखने में सक्षम हैं।**

किसी ने साफ करने की सोची नहीं और अब इसमें महज एक मीटर से भी कम 0.42 मीटर जल-भराव क्षमता रह गई। तभी 134 एमजीडी क्षमता वाला संयंत्र आधा पानी भी नहीं निकाल पा रहा।

आज दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है लेकिन यह कोई तकनीकी और दूरगामी हल नहीं है। दिल्ली शहर के पास यमुना जैसे सदानीर नदी का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। इसके अलावा छह सौ से ज्यादा तालाब हैं जो कि बरसात की कम से कम मात्रा होने पर भी सारे साल महानगर का गला तर रखने में सक्षम हैं। यदि दिल्ली की सीमा में यमुना की सफाई के साथ-साथ गाद निकाल कर पूरी गहराई मिल जाए। इसके साथ ही सभी नाले गंदा पानी छोड़ना बंद कर दें तो महज 30 किलोमीटर नदी, जिसकी गहराई दो मीटर हो तो इसमें निर्मल जल साल भर रह सकता है। दिल्ली के हर घर को पर्याप्त जल मिल सकता है। विदित हो नदी का प्रवाह गर्मी में कम रहता है लेकिन यदि गहराई होगी तो पानी का स्थाई डेरा रहेगा। हरियाणा सरकार इस्राइल के साथ मिलकर यमुना के कायाकल्प की योजना बना रही है। इस दिशा में सिंचाई विभाग ने अपने सर्वे में पाया है कि यमुना में गंदगी के चलते दिल्ली में सात माह पानी की किल्लत रहती है। दिल्ली में यमुना, गंगा और भूजल से 1900 क्यूसेक पानी प्रतिदिन प्रयोग में लाया जाता है।

सन 2019 में यमुना नदी के किनारों पर एक प्रयोग किया गया था। वहां गहरे गड्ढे बनाए गए थे ताकि जब पानी एकत्र हो तो इनके जरिए जमीन में समा जाये। इसके अच्छे परिणाम भी आए लेकिन फिर उस परियोजना में जमीन से अधिक कागज पर खतियां खोदी जाने लगीं। वैसे एनजीटी वर्ष 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर हर तरह के निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है। बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखान के पास कई अवैध निर्माण हो गए। जान लें कि जब यमुना अविरल बहेगी तो दिल्ली भी बचेगी। दिल्ली की प्यास और बाढ़ दोनों का निदान यमुना में ही है। नदी में पानी का रहना महज जल संकट का निदान ही नहीं है बल्कि जलवायु परिवर्तन की मार के चलते गर्मी, सर्दी और बारिश से जूझने का एकमात्र निदान भी नदी का साफ पानी से लबालब होना है।

हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए इन्हें डाइट में करें शामिल

शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए इसमें पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और दूसरे आवश्यक पोषक तत्वों का होना जरूरी है। शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने के कारण कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। हीमोग्लोबिन में कमी आना उन्हीं में से एक है। हीमोग्लोबिन एक प्रकार का प्रोटीन है जो लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाता है। हीमोग्लोबिन में कमी होने के कारण एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है। कुछ मामलों में एनीमिया जानलेवा भी साबित हो सकता है। अगर परीक्षण के दौरान पुरुषों में हीमोग्लोबिन की मात्रा 13.5 ग्राम / डीएल और महिलाओं में 12 ग्राम / डीएल से कम आता है तो इस स्थिति को मेडिकल भाषा में एनीमिया कहते हैं। गर्भवती महिलाओं और बूढ़े लोगों में हीमोग्लोबिन की कमी होने का खतरा अधिक होता है। हेल्दी डाइट का सेवन कर हीमोग्लोबिन की कमी के खतरे को दूर किया जा सकता है। डाइट में इन फलों को शामिल करने से हीमोग्लोबिन की मात्रा ठीक रहती है।

चुकन्दर

चुकन्दर से प्राप्त उच्च गुणवत्ता का लोह तत्व रक्त में हीमोग्लोबिन का निर्माण व लाल रक्तकणों की सक्रियता के लिए बेहद प्रभावशाली है। खून की कमी यानी एनीमिया की शिकार महिलाओं के लिए चुकंदर रामबाण के समान है। चुकन्दर के अलावा चुकन्दर की हरी पत्तियों का सेवन भी बेहद लाभदायी है। इन पत्तियों में तीन गुना लौह तत्व अधिक होता है। जब हम चुकंदर के रस के उपयोग के बारे में बात करते हैं, तो हम त्वचा पर होने वाले लाभों को छोड़ नहीं सकते हैं। चुकंदर का जूस पीना सभी प्रकार की त्वचा पर अद्भुत काम कर सकता है और मुंहासों और पिंपल्स से लड़ने में मदद करता है। चुकंदर का जूस पीने से विटामिन सी, पोटेशियम, फोलेट और मैंगनीज जैसे आवश्यक विटामिन प्रदान करके आपके शरीर को फिर से भर दिया जाएगा, जो मनुष्य के संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने और प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने के लिए आवश्यक हैं। और सुपरफ़ूड पर छोड़ दें।

अमरूद

अमरूद जितना ज्यादा पका हुआ होगा, उतना ही पौष्टिक होगा। पके अमरूद को खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी नहीं होती। इसलिए महिलाओं के लिए यह और भी लाभदायक हो जाता है। अमरूद का औषधीय गुण प्यास को शांत करता है, हृदय को बल देता है, कृमियों का नाश करता है, उल्टी रोकता है, पेट साफ करता है और कफ निकालता है। मुंह में छाले होने पर, मस्तिष्क एवं किडनी के संक्रमण, बुखार, मानसिक रोगों तथा मिर्गी आदि में इनका सेवन लाभप्रद होता है। प्रातः अमरूद को नाश्ते में काली मिर्च, काला नमक तथा अदरख के साथ खाने से बदहजमी, खट्टी डकारें, पेट फूलना तथा कब्ज का निवारण होकर भूख बढ़ने लगेगी। दोपहर खाने के समय अमरूद को खाने से आंत के दर्द तथा अतिसार में लाभ होता है। अमरूद के गुण का लाभ मिलने के लिए सही मात्रा में सेवन करना ज़रूरी होता है।

अंगूर

अंगूर में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। जो शरीर में हीमोग्लोबिन बनाता है, और हीमोग्लोबिन की कमी संबंधी बीमारियों को ठीक करने में सहायक होता है।

नारियल

नारियल शरीर में उतकों, मांसपेशियों और रक्त जैसे महत्वपूर्ण द्रव्यों का निर्माण करता है, यह संक्रमण का सामना करने के लिए इन्जाइम और रोग प्रतिकारक तत्वों के विकास में सहायक होता है।

आम

आम खाने से हमारे शरीर में रक्ति अधिक मात्रा में बनता है, एनीमिया में यह लाभकारी होता है। आम में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है. इसमें मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सिडेंट बॉडी की रोग प्रतिरक्षा तंत्र को स्ट्रांग करते हैं जिससे कि सर्दी, जुकाम, बुखार से बचत रहती है। आम स्वस्थ पाचन में मदद कर सकता है। आम में ऐसे एंजाइम होते हैं जो प्रोटीन के टूटने और पाचन में मदद करते हैं और फाइबर भी होता है, जो पाचन क्रिया को बेहतर बनता है। आहार फाइबर हृदय रोग, टाइप 2 मधुमेह के रिस्क को कम करने में मदद करता है। हरे आम में पके आम की तुलना में अधिक पेक्टिन फाइबर होता है।

सेब

सेब स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी माना जाता है। रोजाना एक सेब खाने से आप डॉक्टर से दूर रहेंगे। यानि कई तरह की बीमारियों से दूर हो सकते हैं। सेब में कई ऐसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपको कई तरह की बीमारियों को दूर करने में मददगार हो सकते हैं। रोजाना सेब खाने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। जो आपके शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती है। सेब एनीमिया जैसी बीमारी में लाभकारी होता है। सेब खाने से शरीर में हीमोग्लोबिन बनता है।

हंसना मना है

मरीज- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, मरीज- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, मरीज- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

टीचर- एक टोकरी में 10 आम थे 3 सड़ गए तो कितने बचे? स्टूडेंट- 10 टीचर- अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे? स्टूडेंट- सड़े हुए आम कहां जाएंगे, सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

भिखारी- कुछ खाना दे दो... आंटी- अभी खाना बना नहीं है भिखारी- ठीक है जब बन जाए तो मुझे फोन कर देना ये लो मेरा नंबर...

संता- झगड़ते वक्त बीवी का मन कैसे भटकाना चाहिए, पता है? बंता- नहीं, तुम ही बताओ। संता- सिर्फ इतना बोलो- सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या...? ये 100 फीसदी काम करता है...!

गर्लफ्रेंड- सुनो, मेरी स्किन बहुत ऑयली-ऑयली सी हो गई है, बताइए ना, मैं क्या लगाऊं? बॉयफ्रेंड- ये लो विमबार, ये पूरी चिकनाई हटा देगा। फिर बॉयफ्रेंड की हुई जोरदार कुटाई!

कहानी | धूर्त बिल्ली का न्याय

एक जंगल में एक बहुत बड़े पेड़ के तने में एक खोल था। उस खोल में कपिंजल नाम का एक तीतर रहा करता था। हर रोज वह खाना ढूंढने खेतों में जाया करता था और शाम तक लौट आता था। एक दिन खाना ढूंढते-ढूंढते कपिंजल अपने दोस्तों के साथ दूर किसी खेत में निकल गया और शाम को नहीं लौटा। तो उसके खोल को एक खरगोश ने अपना घर बना लिया और वहीं रहने लगा। तीन हफ्तों बाद तीतर वापस आया। खा-खाकर वह बहुत मोटा हो गया था और बहुत थक भी गया था। लौट कर उसने देखा कि उसके घर में खरगोश रह रहा है। यह देख कर उसे बहुत गुस्सा आ गया और खरगोश से कहा, ये मेरा घर है। निकलो यहां से। तीतर को इस तरह चिल्लाते हुए देख खरगोश को भी गुस्सा आ गया और उसने कहा, कैसा घर? जंगल का नियम है कि जो जहां रह रहा है, वही उसका घर है। तुम यहां रहते थे, लेकिन अब यहां मैं रहता हूं और इसलिए यह मेरा घर है। इस तरह दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। तीतर बार-बार खरगोश को घर से निकलने के लिए कह रहा था और खरगोश अपनी जगह से टस से मस नहीं हो रहा था। तब तीतर ने कहा कि इस बात का फैसला हम किसी तीसरे को करने देते हैं। उन दोनों की इस लड़ाई को दूर से एक बिल्ली देख रही थी। उसने सोचा कि अगर फैसले के लिए ये दोनों मेरे पास आ जाएं, तो मुझे इन्हें खाने का एक अच्छा अवसर मिल जाएगा। यह सोच कर वह पेड़ के नीचे ध्यान मुद्रा में बैठ गई और जोर-जोर से ज्ञान की बातें करने लगी। उसकी बातों को सुनकर तीतर और खरगोश ने बोला कि यह कोई ज्ञानी लगती है और हमें फैसले के लिए इसके ही पास जाना चाहिए। उन दोनों ने दूर से बिल्ली से कहा, बिल्ली मौसी, तुम समझदार लगती हो। हमारी मदद करो और जो भी दोषी होगा, उसे तुम खा लेना। उनकी बात सुनकर बिल्ली ने कहा, अब मैंने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है, लेकिन मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगी। समस्या यह है कि मैं अब बूढ़ी हो गई हूं और इतने दूर से मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है। क्या तुम दोनों मेरे पास आ सकते हो? उन दोनों ने बिल्ली की बात पर भरोसा कर लिया और उसके पास चले गए। जैसे ही वो उसके पास गए, बिल्ली ने तुरंत पंजा मारा और एक ही झपट्टे में दोनों को मार डाला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है। लेन-देन में जल्दबाजी से बचें। आय बनी रहेगी।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य का साथ मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हिना खान ने दुआ करने की अपील की

हिना खान अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसे देख उनके फैंस काफी निराश हो गए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्हें कैंसर है। हिना ने अपने पोस्ट में लिखा है, सभी को नमस्कार! कई ऐसी अफवाहें आई थीं जिसपर मैं बात करना चाहती हूं। मैं सभी हिनाहोलिक्स और उन सभी लोगों के साथ कुछ एक जरूरी बात करना चाहती हूं जो मुझे प्यार करते हैं और मेरी परवाह करते हैं। मुझे स्टेज थ्री ब्रेस्ट कैंसर का पता चला है। हिना ने आगे लिखा है-वह इस गंभीर बीमारी का ट्रीटमेंट करा रही हैं और वह अब ठीक हैं। उन्होंने लिखा-मैं इस बीमारी पर काबू पाने के लिए मजबूत, दृढ़ निश्चयी और पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं। मेरा इलाज पहले ही शुरू हो चुका है, और मैं इससे और भी मजबूत होकर उभरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं। आगे हिना ने अपने फैंस से इस बारे में गोपनीयता रखने की अपील की हैं। इसके साथ ही उन्होंने कैंसर की भयानक लड़ाई में फैंस से सपोर्ट मांगा है और कहा कि वे दुआ करें कि वे जल्दी ठीक हो जाएं। हिना के पोस्ट पर फैंस उनके लिए दुआएं मांगते हुए लगातार कमेंट कर रहे हैं। फैंस उनके ठीक होने की दुआ मांग रहे है। इसके साथ ही हिना की पोस्ट पर उनके को-स्टार्स भी उनकी हिम्मत बढ़ाते हुए लगातार कमेंट कर रहे हैं। हिना की पोस्ट पर अंकिता लोखंडे ने लिखा-हिना तुम इससे कहीं ज्यादा मजबूत हो, बस यही है लड़ाई..ये भी बीत जाएगा। तुम्हें अभी से प्यार और ढेर सारी ताकत भेज रहा हूं। अदा खान, सृष्टी रोडे, गौहर खान ने भी हिना की पोस्ट पर कमेंट कर उनका हौसला बढ़ाया है।

गौरतलब है कि अप्रैल में हिना ने सोशल मीडिया पर बताया था कि वह गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा था कि वह ठीक से खाना नहीं खा पा रही हैं। उन्होंने कहा था वह भरोसा नहीं कर पा रही हूं, लेकिन कभी-कभी यह आपको परेशान कर देता है जब आप दिन में कम से कम एक बार भी शांति से खाना नहीं खा पाते हैं। कुछ न करें, अपने खाने पर ध्यान दें.. सिर्फ खाना.. और शांति से खाएं.. होता ही नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कई दवाइयों की तस्वीरें साझा की थीं।

अर्जुन संग ब्रेकअप पर मलाइका ने तोड़ी चुप्पी, कहा-

आखिरी तक अपने प्यार के लिए लडूंगी

मलाइका अरोड़ा इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। रिपोर्ट्स की माने वो अर्जुन कपूर के साथ अपने रिश्ते में खराब फेज पर चल रही हैं। मलाइका और अर्जुन के ब्रेकअप की खबरें लंबे समय से आ रही हैं मगर दोनों ने इसपर चुप्पी साधी हुई है। इनका ब्रेकअप फैंस को कंफर्म तब लगने लगा जब अर्जुन की मिडनाइट बर्थडे पार्टी में मलाइका शामिल नहीं हुईं। इतना ही नहीं उन्होंने सोशल मीडिया पर अर्जुन को बर्थडे विश भी नहीं किया। अब मलाइका ने ब्रेकअप की खबरों पर रिएक्ट किया है।

मलाइका ने हैलो मैगजीन से अपने रिलेशनशिप और ट्रोलिंग को लेकर बात की।

बॉलीवुड | मसाला

ब्रेकअप की खबरों के बीच मलाइका ने बताया कि इंटरनेट बहुत टॉक्सिक जगह हो सकती है। मलाइका ने कहा- मैंने किसी तरह अपने चारों ओर एक मैकेनिज्म- या कहें ढाल - बना लिया है, जहां से मैं नेगेटिविटी को अब और अंदर नहीं आने देती।

मलाइका ने आगे कहा- मैंने खुद को इससे अलग कर लिया है। चाहे वो लोग हों, काम का माहौल हो, सोशल मीडिया हो या ट्रोल्स जैसे ही मुझे वो नेगेटिविटी महसूस होती है, मैं तुरंत पीछे हट जाती हूं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने समय के साथ करना सीखा है। ये मुझ पर पहले ही हावी हो जाता था और जिसकी वजह से मैं रात को सो नहीं पाती थी। अगर मैं कहूं कि ये चीजें मुझे बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करती हैं तो मैं झूठ बोलूंगी - मैं भी इंसान हूं और इसलिए मैं रोऊंगी, टूट जाऊंगी और ट्रोल होने से जुड़े सारे इमोशन्स का सामना करूंगी। लेकिन आप इसे कभी भी पब्लिकली नहीं देखेंगे। जब मलाइका से प्यार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- मैं हार्डकोर रोमांटिक हूं। मैं कभी भी सच्चे प्यार के आइडिया पर गिवअप नहीं करूंगी चाहे कुछ भी हो जाए। मैं टिपिकल स्कॉरपियो हूं तो मैं आखिरी तक अपने प्यार के लिए लडूंगी लेकिन मैं बहुत रियलिस्टिक भी हूं और मुझे पता है कहां पर लाइन खींचनी है।

देश ही नहीं दुनियाभर में कल्कि 2898 एडी का करिश्मा

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन अभिनीत फिल्म कल्कि 2898 एडी 27 जून को रिलीज हो चुकी है। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। दर्शकों को भी फिल्म पसंद आई है। ओपनिंग डे पर फिल्म ने शानदार कमाई की है। कल्कि 2898 एडी को सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में प्यार मिल रहा है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर ही कई रिकॉर्ड बना लिए हैं।

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी कल्कि 2898 एडी साइंस-फिक्शन डायस्टोपियन फिल्म है। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज हुई है और फिल्म ने सभी जगहों पर शानदार

शुरुआत की है। अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने पहले दिन 92 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली है। वहीं, विदेशों में भी यह फिल्म देखने दर्शक बड़ी संख्या में पहुचे हैं।

वैजयंती मूवीज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की जानकारी दी है। इसके मुताबिक फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में 191.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसके साथ लिखा है, चलो सिनेमा का जश्न मनाते हैं। इसी के साथ कल्कि 2898 एडी ने केजीएफ: चैप्टर 2 को तीसरे नंबर से पछाड़ दिया है। केजीएफ 2 ने ओपनिंग डे पर वर्ल्डवाइड करीब 159 करोड़ रुपये कमाए थे।

बीते वर्ष की टॉप फिल्मों में जवान ने करीब 129 करोड़ रुपये, पठान ने 105 करोड़ रुपये और एनिमल ने करीब 116 करोड़ की कमाई पहले ही दिन कर डाली थी। इस साल कल्कि 2898 एडी ने पहले ही दिन इन सभी फिल्मों को ओपनिंग डे की कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है। शुरुआत की है। अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने पहले दिन 92 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली है। वहीं, विदेशों में भी यह फिल्म देखने दर्शक बड़ी संख्या में पहुचे हैं।

अजब-गजब | 50 साल से कैद है यह खूंखार अपराधी

इस अपराधी का जुर्म जानकर समझेंगे मसीहा

दुनिया में ऐसे कई अपराधी हैं, जो लंबे वक्त से जेल में हैं और जब लोगों को उनके गुनाहों के बारे में पता चलता है, तो हर कोई हैरान हो जाता है। पर आज हम आपको एक ऐसे अपराधी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 50 सालों से जेल में बंद है। उसे 17 स्टील के दरवाजों के पीछे कैद किया गया है क्योंकि वो बेहद खूंखार है। पर जब लोग उसके जुर्म के बारे में सुनते हैं, तो कन्फ्यूज हो जाते हैं, क्योंकि वो ये नहीं तय कर पाते कि ये शख्स असल में अपराधी है, या फिर कोई 'मसीहा' है! शख्स इंग्लैंड की जेल में बंद है।

रॉबर्ट मॉडस्ले को ब्रिटेन का सबसे खतरनाक सीरियल किलर माना जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अपराधी के नाम सबसे लंबे वक्त तक जेल में कैद रहने का रिकॉर्ड भी है। ये आदमी 50 सालों से जेल में बंद है। वो वेकफील्ड जेल में बंद है। वो 18 फीट ×15 फीट का सेल है और उस तक पहुंचने के लिए 17 स्टील के दरवाजों से होकर गुजरना पड़ता है। ये जेल बुलेट प्रूफ भी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इंसाइड वेकफील्ड प्रिजन नाम की एक किताब में लेखक जॉनथन लेवी और एमा फ्रेंच ने रॉबर्ट के सेल के बारे में ज्यादा जानकारी दी है। उसके सेल में टेबल-चेयर कार्डबोर्ड से बने हैं और टॉयलेट-सिंक भी जमीन से बोल्ट के जरिए फिक्स किया गया है। सेल के नीचे एक

छोटा स्लॉट है, जिसकी मदद से उसे खाना दिया जाता है।

रॉबर्ट 21 साल की उम्र से जेल में है। पर उसके जेल में रहने का जो कारण है, वो काफी हैरान करने वाला है, और बस इसी वजह से लोगों को समझ नहीं आता कि उसे अपराधी कहें या मसीहा! ये आप खुद तय करिए। दरअसल, 1974 में रॉबर्ट ने 30 साल के जॉन फैरेल नाम के एक अपराधी की हत्या की थी, जो बच्चों का यौन शोषण करता था। 1977 में रॉबर्ट ने एक और साथी कैदी के साथ मिलकर डेविड फ्रांसिस नाम के एक और अपराधी की हत्या की। वो भी बच्चों से यौन शोषण के अपराध में जेल में बंद था। उसने बहुत ही बेरहमी से उसका खून किया था।

इसके बाद रॉबर्ट को यॉर्कशायर के वेकफील्ड जेल में डाला गया। पर वहां पर भी 1 साल बाद उसने 29 जुलाई 1978 को उसने सैलनी डारवुड नाम के एक अपराधी की हत्या की, जिसने अपनी बीवी का खून किया था। रॉबर्ट यहीं नहीं रुका। उसने एक और अपराधी बिल रॉबर्ट्स को भी मौत के घाट उतारा, जो 7 साल की बच्ची से रेप के मामले में कैद था। दोनों की हत्या करने के बाद वो बड़े आराम से जेल के गार्ड्स के पास गया और उनसे बोला कि डिनर के लिए दो कैदी आज कम रहेंगे। इन हत्याओं के बाद उसे आम कैदियों के बीच रखना असुरक्षित माना जाने लगा और इस वजह से उसके लिए एक खास कांच का जेल बनाना शुरू किया गया और 1983 में जब वो बनकर तैयार हुआ, तो उसे उस जेल में शिफ्ट कर दिया गया। एक बार अपने जेल में बंद रहने के अनुभव को उसने बोला था कि उसे ऐसा लगता है जैसे वो नरक में बंद है। अब रॉबर्ट 71 साल का हो चुका है और उसी जेल में कैद है।

1957 में गुम हुआ छात्रा का पर्स 63 साल बाद स्कूल में मिला

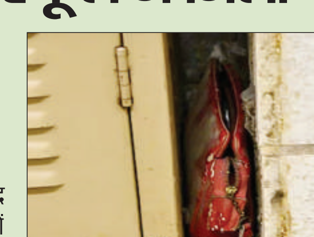

अक्सर हमारी छोटी-मोटी चीजें गुम हो जाती हैं जिसे हम जी जान लगाकर तो खोजते हैं, पर जब वो नहीं मिलतीं तो उसे भूलकर आगे बढ़ जाते हैं। एक युवती के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिसने अपना एक पर्स 1957 में खो दिया। पर 63 साल बाद जब वो पर्स मिला, तो उसके अंदर से लोगों को ऐसी चीजें मिलीं, जिसे देखकर वो हैरान रह गए क्योंकि वो सभी चीजें गुजरे जमाने को बखूबी दर्शा रही थीं। ये मामला भले ही 2020 का है, पर सोशल मीडिया पर इस घटना से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। इंस्टाग्राम अकाउंट @insidehistory पर हाल ही में एक वीडियो शेयर किया गया है जिसमें एक स्कूल के अंदर बने लॉकर और दीवार के बीच में एक पर्स बड़ा नजर आ रहा है। जब इस पर्स को खोलकर देखा गया तो 63 साल पुराना राज मिला। CNN की 2020 की रिपोर्ट के अनुसार ये मामला 2019 का है। अमेरिका के ओहियो में नॉर्थ कैंटन मिडल स्कूल है। स्कूल ने अपने फेसबुक पेज पर 30 मई 2019 को इस घटना से जुड़ी फोटोज पोस्ट कर पूरी बात बताई थी।

हुआ यूं था कि 1957 में स्कूल की एक छात्रा पैटी रमफोला Patti Rumfola ने अपना एक लाल पर्स स्कूल में खो दिया था। स्कूल की देखरेख करने वाले कैस पायल नाम के एक शख्स को वो तब मिला, जब कैस, स्कूल में बने लॉकरों की मरम्मत कर रहे थे। ये पर्स लॉकर और दीवार के बीच फंसा हुआ था। उसे निकाला गया और अंदर की चीजें टटोली गईं। उसमें कंघी, मेकअप का सामान, पाउडर-लिप्स्टिक, आदि थीं। इसके अलावा लोकल पब्लिक लाइब्रेरी का मेंबरशिप कार्ड। कुछ परिवार और दोस्तों की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें भी थीं। पर्स में 26 सेंट भी थे और 1956 के स्कूल फुटबॉल मैच का शेड्यूल भी था। छात्रा ने 1960 में ग्रैजुएशन पूरा किया था और आगे जाकर वो टीचर बनी थी और फिर 1980 में शादी की थी। स्कूल ने छानबीन की और पाया कि महिला की मौत 2013 में हो चुकी है। इस वजह से उन्होंने पर्स को उनके 5 बच्चों के हवाले कर दिया। बच्चों को अपनी मां की चीजें देखकर बहुत अच्छा लगा। इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहे वीडियो में सारे सामानों को दिखाया गया है। वीडियो को कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

हेमंत के जेल से बाहर निकलते ही गरमाई झारखंड की सियासत

पूर्व सीएम का भाजपा पर हमला- नेताओं व पत्रकारों की दबाई जा रही आवाज

» बीजेपी व झामुमो में वार-पलटवार
» मेरे खिलाफ साजिश रची गई : हेमंत सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में कथित जमीन घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में जेल में बंद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिल गई है। वहीं हेमंत सोरेन ने दावा किया कि उन्हें धनशोधन मामले में गलत तरीके से फंसाया गया और उन्हें करीब पांच महीने जेल में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि वो इस बात से चिंतित हैं कि देश में किस तरह से राजनीतिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों की आवाज दबाई जा रही है।

वहीं जेल से हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री और जेएमएम गठबंधन के कई नेताओं ने रांची में हेमंत सोरेन के आवास पर पहुंचकर उनसे मुलाकात की। बिरसा मुंडा जेल से रिहा होने के बाद हेमंत सोरेन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, कि मुझे गलत तरीके से फंसाया गया। मेरे खिलाफ साजिश रची गई और मुझे पांच महीने जेल में बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं हेमंत सोरेन ने आगे कहा, मैं न्यायपालिका का सम्मान करता हूं। न्यायालय ने अपना आदेश सुनाया और मैं जमानत पर बाहर हूं। लेकिन न्यायिक प्रक्रिया लंबी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को दबाया जा रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा, मैंने जो काम शुरू किया है, जो युद्ध मैंने छेड़ा है, उसे पूरा करूंगा।

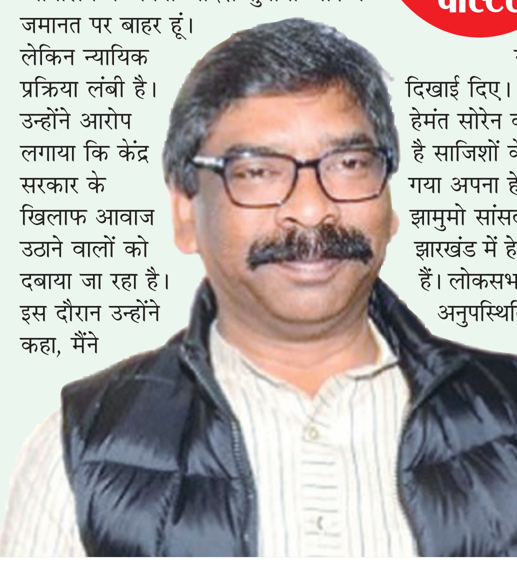

पूर्व सीएम की रिहाई के बाद रांची में लगे पोस्टर

हेमंत सोरेन की रिहाई के बाद राजधानी रांची में जगह-जगह हेमंत सोरेन के समर्थन में पोस्टर दिखाई दिए। ऐसे ही एक पोस्टर पर हेमंत सोरेन की तस्वीर के साथ लिखा है साजिशों के खेल का हुआ अंत, आ गया अपना हेमंत। हेमंत सोरेन की रिहाई झामुमो सांसद महुआ माझी ने कहा झारखंड में हेमंत सोरेन काफी लोकप्रिय हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी अनुपस्थिति के बावजूद लोगों ने हमें समर्थन दिया। उनकी जेल से रिहाई को लेकर लोगों में खासा उत्साह है। भाजपा ने लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कराकर वोट पाने की साजिश रची थी, लेकिन वह असफल हो गई।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं : चंपई

वहीं झारखंड के मौजूदा मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने इसे सत्य की जीत करार दिया है। सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने लिखा, सत्य परेशान हो सकता हैं, पराजित नहीं। इसके साथ ही चंपई सोरेन ने पूर्व

मुख्यमंत्री के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा सत्यमेव जयते!। वहीं झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री को जमानत देने के हाई कोर्ट के फैसले की जमकर सराहना की है।

सिर्फ जमानत मिली है, बरी नहीं हुए : बाबूलाल मरांडी

इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि, सिर्फ जमानत मिली है, सभी आरोपों से मुक्त नहीं किया गया। वहीं झारखंड भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि जिस तरह से झारखंड मुक्ति मोर्चा नीत गठबंधन इसे लेकर जश्न मना रहा है, ऐसा लग रहा है जैसे वो सभी आरोपों से बरी हो गए हैं, उन्हें बस जमानत मिली है।

राहुल ने हेमंत से फोन पर की बात, गिरफ्तारी को बताया राजनीतिक द्वेष

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत दिए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि झामुमो नेता को राजनीतिक द्वेष के चलते गिरफ्तार किया गया था। वहीं सोश मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने सोरेन से फोन पर बात की और उनकी रिहाई पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, हम उन्हें जमानत देने के हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं । राहुल गांधी ने आगे कहा कि जो लोग संविधान की रक्षा की भावना के साथ आगे बढ़ते हैं, सत्य ही उनकी रक्षा करता है।

टीएमसी पर भड़के पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस

» गवर्नर हाउस में महिलाओं के असुरक्षित महसूस करने की ममता की टिप्पणी पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल कार्यालय ने 28 जून को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि राजभवन जाने में महिलाएं कथित तौर पर असुरक्षित महसूस करती हैं। राजभवन ने बयान में कहा कि जन प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे गलत और निंदनीय धारणाएं न पैदा करें। यह प्रतिक्रिया दो टीएमसी विधायकों के शपथ ग्रहण को लेकर गतिरोध के बीच आई है।

बारानगर विधायक सयंतिका बंद्योपाध्याय और भागबंगोला विधायक रयात हुसैन सरकार ने सीवी आनंद बोस के अनुरोध पर राजभवन में शपथ लेने से इनकार कर दिया है, इसके बजाय वे गुरुवार से विधानसभा परिसर में धरना दे रहे हैं और शपथ ग्रहण विधानसभा में हो की मांग कर रहे हैं। राजभवन ने एक्स पर कहा कि जन प्रतिनिधी संविधान को कायम रखें और गलत और निंदनीय धारणाएं बनाने से बचें जो राज्यपाल पर संदेह पैदा कर सकती हैं। ममता ने आरोप लगाया था कि उन्हें उन महिलाओं से शिकायतें मिली हैं जो वहां कुछ गतिविधियों की रिपोर्ट के बाद राजभवन जाने में असुरक्षित महसूस करती हैं, और इस बात पर जोर दिया कि राज्यपाल को शपथ ग्रहण प्रक्रिया को रोकने का कोई अधिकार नहीं है।

महाराष्ट्र का बजट आश्वासनों का पुलिंदा: उद्धव

» शिंदे सरकार के बजट पर विपक्ष का निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार पर इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले उसके आखिरी बजट को लेकर निशाना साधा और इसे 'आश्वासनों का पुलिंदा' बताया। विपक्षी दलों ने कहा कि इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि घोषित योजनाओं के लिए धन कैसे जुटाया जाएगा। वित्त विभाग भी संभाल रहे उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने 20,051 करोड़ रुपये का राजस्व घाटे का बजट पेश किया, जिसमें उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों और समाज के अन्य वर्गों के लिए 80,000 करोड़ रुपये से अधिक के खर्च की घोषणा की।

उद्धव ठाकरे ने बजट को 'आश्वासनों का पुलिंदा' और ''झांसा'' करार देते हुए कहा कि इसमें समाज के हर वर्ग को कुछ न कुछ देने का दिखावा किया गया है। ठाकरे ने कहा कि विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जानी चाहिए जो यह पता लगाए कि पिछले दो वर्षों में महायुति सरकार द्वारा घोषित योजनाओं में से कितनी लागू की गईं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बात का कोई उल्लेख नहीं किया गया कि धन कैसे जुटाया जाएगा।

बढ़ती महंगाई के समय 1,500 रुपये की राशि से क्या होगा : पटोले

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने भी 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना' को लेकर निशाना साधते हुए पूछा कि बढ़ती महंगाई के समय 1,500 रुपये की राशि से क्या होगा। पटोले ने कहा कि किसानों के बिजली बिल माफ करने की योजना एक दिखावा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने लोगों की परेशानियों और तेलंगाना की तर्ज पर किसानों के कर्ज को पूरी तरह माफ करने की कांग्रेस की मांग को नजरअंदाज किया है। बजट में बहुत सारे आश्वासन हैं, लेकिन लोग मूर्ख नहीं बनेंगे। यह लोगों को गुमराह करने वाला बजट है।

बढ़ता जा रहा राज्य पर कर्ज का बोझ : महेश तपासे

शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे ने सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि राज्य का कर्ज बोझ सात लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने कर्ज के बोझ को देखते हुए बजटीय प्रावधानों की व्यवहार्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार के पास निवेश आकर्षित करने और बेरोजगारी को कम करने की कोई रणनीति नहीं है. तपासे ने कहा कि लोकलुभावन, लेकिन खोखले वादे चुनाव से पहले लोगों को प्रभावित नहीं कर पाएंगे। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने बजट को ''राजनीतिक सम्मोहन'' करार दिया और दावा किया कि मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों को इसमें कुछ भी नहीं मिला।

खिताबी सूखा खत्म करने उतरेगी टीम इंडिया

टी-20 विश्वकप का फाइनल भारत-अफ्रीका के बीच आज

» फाइनल में टॉस हारने वाली टीम एक बार बनी है चैंपियन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बारबाडोस। टी20 विश्व कप 2024 का फाइनल आज भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच बारबाडोस में खेला जाएगा। भारत में टीम इंडिया की जीत के लए प्रार्थना व दुआ की जा रही है। उधर विशेषज्ञों का कहना हैं कि इस मैच में टॉस की भूमिका अहम रह सकती है। टी20 विश्व कप का यह नौवां संस्करण है और पिछले आठ संस्करण में टॉस को लेकर कुछ ऐसे नतीजे हैं जो आपको हैरान कर देगा।

टॉस जीतने वाली टीमों ने 87.5 प्रतिशत बार चैंपियनशिप अपने नाम की है। वहीं, टॉस हारकर सिर्फ एक टीम ही चैंपियन बन पाई है। इतना ही नहीं फाइनल में टीमें चेज करते हुए सबसे ज्यादा बार चैंपियन बनी हैं। भारत अपने दूसरे टी20 खिताब के लिए उतरा है। उसने 2007 में पहले संस्करण में ट्रॉफी अपने नाम की थी। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने पहले विश्व कप की तलाश में है। बारबाडोस में टॉस का क्या रिकॉर्ड रहा है और टी20 विश्व कप के पिछले आठ संस्करणों में टॉस ने क्या भूमिका निभाई है। बारबाडोस के केनसिंगटन ओवल मैदान ने मौजूदा टी20 विश्व कप में अब तक आठ मैचों की मेजबानी की है, जिसमें से छह मैचों का नतीजा निकला है।

पिच तेज गेंदबाजी के लिए है अनुकूल

यहां की पिच स्पिन की तुलना में तेज गेंदबाजी के लिए अधिक अनुकूल रही है। तेज गेंदबाजों ने 20.22 की औसत से 59 विकेट लिए हैं, जबकि स्पिनरों ने 26.40 की औसत से केवल 32 विकेट हासिल किए हैं। हालांकि, स्पिनर्स इस मैदान पर किफायती रहे हैं और 7.28 की इकोनॉमी से रन लुटाए हैं, जबकि तेज गेंदबाजों की इकोनॉमी रेट 7.88 की रही है। सतह काफी हद तक बल्लेबाजी के लिए अच्छी रही है, हालांकि तेज गेंदबाजों को नई गेंद से शुरू में कुछ मदद मिल सकती है क्योंकि यह सुबह का मैच है। संयुक्त राज्य अमेरिका और इंग्लैंड के बीच यहां आयोजित आखिरी मैच में लगभग समान दूरी की सीमाएं (64 मीटर और 62 मीटर) थीं, जबकि सीधी बाउंड्री 74 मीटर लंबी थी।

बिहार के 'मंगलराज' में ढह रहे हैं पुल: तेजस्वी

राजद नेता ने सीएम नीतीश कुमार को घेरा, बोले- बिहार में डबल इंजन वाली सरकार की डबल पावर का दिख रहा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने हाल ही में बिहार में पुल ढहने की घटनाओं को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। एक्स पर बात करते हुए तेजस्वी यादव ने हिंदी में कहा, बधाई हो! बिहार में डबल इंजन वाली सरकार की डबल पावर के कारण मात्र 9 दिनों में मात्र 5 पुल ढह गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में 6 दलों वाली डबल इंजन वाली एनडीए सरकार ने 9 दिनों में 5 पुल ढहने पर बिहार की जनता को मंगलराज (अच्छे शासन) की शुभ और उज्ज्वल शुभकामनाएं भेजी हैं। उनकी यह टिप्पणी मधुबनी जिले के झंझारपुर में एक निर्माणाधीन पुल के ढहने के बाद आई है, जो पिछले 11 दिनों में ऐसी पांचवीं घटना है।

पिछले दो वर्षों से निर्माणाधीन 77 मीटर लंबे इस पुल की अनुमानित लागत करीब 3 करोड़ रुपये है। इसे बिहार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाया जा रहा है। नीतीश कुमार सरकार के सुशासन के कारनामे का मजाक उड़ाते हुए राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, स्वयंभू ईमानदार लोग पुलों के ढहने से जनता को हो रहे हजारों करोड़ रुपये के नुकसान को भ्रष्टाचार के बजाय सौजन्य बता रहे हैं। अपनी जुबान पर लगाम लगाते हुए यादव ने सुझाव दिया, पुलों के पानी में डूब जाने के बाद विपक्षी नेताओं को इस्तीफ़ा दे देना चाहिए।

9 दिनों में ढहे 5 पुल

मधुबनी की घटना के अलावा, पिछले 11 दिनों में चार अन्य पुल ढह गए हैं, जिससे निर्माण मानकों और निरीक्षण पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। 18 जून को अररिया में बकरा नदी पर 12 करोड़ रुपये की लागत से बना पुल ढह गया। इसके बाद 22 जून को सीवान में गंडक नदी पर बना चार दशक पुराना पुल ढह गया। एक दिन बाद, 23 जून को पूर्वी चंपारण में लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुल भी ढह गया, जिसके लिए स्थानीय लोगों ने घटिया सामग्री का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सबसे हालिया घटना 27 जून को हुई, जब किशनगंज में कंकई और महानंदा नदियों को जोड़ने वाली एक छोटी सहायक नदी पर बना पुल ढह गया। पुल ढहने का एक वीडियो भी वायरल हुआ।

राज्य सरकार पुलों का करेगी आंकलन

पुल ढहने की घटनाओं की श्रृंखला के जवाब में, राज्य सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग ने इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य भर में पुलों और पुलियों की स्थिति का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की। अधिकारियों को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। वहीं पुलों के लगातार ढहने की घटनाओं की विपक्षी नेताओं ने तीखी आलोचना की है, जो निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

फोटो : 4 पीएम

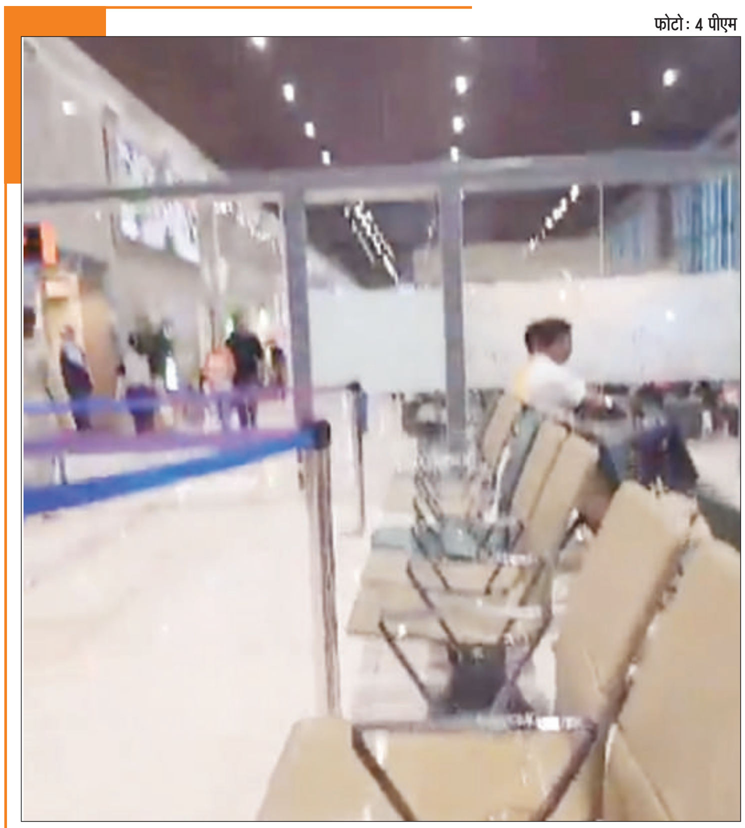

खुली पोल पहली बारिश में ही लखनऊ एयरपोर्ट अथॉरिटी की पोल खुल गई, एयरपोर्ट टर्मिनल 3 की छत टपकने लगी है। यात्रियों को यह नजारा देखकर दिल्ली एयरपोर्ट हादसे की याद आ गई।

पहली बारिश ने राहत के साथ दी आफत

मानसून ने प्रदेश को भिगोया, कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गर्मी से बेहाल राजधानी वासियों को आखिरकार मानसूनी बारिश ने राहत दे दी। बर्षा से मौसम तो सुहाना हो गया पर लोगों को आफत भी झेलनी पड़ी। एक घंटे की बारिश के बाद कई मोहल्लों व कालोनियों में जलभराव से लोग परेशान हो गए। कई जगहों पर नालियां चोक होने से घरों तक में पानी घुस गया। लोग जहां पानी बरसने की वजह से जगह-जगह जाम में फंसे वहीं बिजली न आने से उमस भरी गर्मी से भी बेहाल दिखे।

शुक्रवार को मानसून की पहली बरसात ने खूब भिगोया। मौसम विभाग के मुताबिक, शेष बचे इलाकों तक मानसून शनिवार तक पहुंच जाएगा। प्रदेश के ज्यादातर इलाकों को कवर कर चुके मानसून को देख लखनऊ के लोग 23 जून के बाद से लगातार निराश थे। गर्मी से बेहाल लोगों को बीच-बीच में पुरवा हवा राहत दे रही थी। पर वो नाकाफी थी। मौसम विभाग ने बृहस्पतिवार को भी 48 घंटे बाद लखनऊ में मानसून की एंट्री का अनुमान जताया था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दिल्ली में झमाझम के बाद यूपी में अलीगढ़, कानपुर, जौनपुर, गोंडा, गाजीपुर, खीरी, मुरादाबाद में बारिश हुई।

दिल्ली : मलबे में दबे तीन मजदूरों के शव निकाले गये

बसंत विहार इलाके में निर्माण स्थल पर गिरी दीवार के मलबे से शनिवार को तीन मजदूरों के शव निकाले गए हैं। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मलबे से तीन मजदूरों के शव निकाले गए हैं। इनमें से दो की पहचान संतोष कुमार यादव (19) और संतोष (38) के रूप में हुई है। तीसरे मजदूर की अभी पहचान नहीं हो पाई है। मलबे को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया और शवों को निकालने के लिए नींव के गड्ढे से पानी निकाला गया।

अगले दो दिनों में पूरे देश में मानसून के पहुंचने की संभावना

दक्षिण-पश्चिम मानसून हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों छोडक़र पूरे देश में पहुंच गया है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बादल फट गया है और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के चलते जगह-जगह भूस्खलन हुआ है। इसमें कई घरों में मलबा घुस गया है, सडक़ें बंद हो गई हैं और कई वाहन भी मलबे में दब गए हैं। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून पश्चिम राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पूर्वी राजस्थान के शेष हिस्सों में आगे बढ़ा है। हरियाणा के कुछ हिस्से, पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ और इलाकों, मध्य प्रदेश के शेष भाग, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ और भाग और उत्तराखंड के शेष भाग तक पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा जैसलमेर, चुरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ, कानपुर, गाजीपुर, गोंडा, खीरी, मुरादाबाद, ऊना, पठानकोट और जम्मू से होकर गुजर रही है।

बेसमेंट की खुदाई से मकानों में आई दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंद्रा नगर में बेसमेंट खुदाई से स्थानीय लोगों के लिए आफत बन गई। मूसलाधार बारिश में बेसमेंट खुदाई से आस पास मकानों में दरार आ गई। स्थानीय लोगों ने विरोध कर इसकी सूचना थाना व पुलिस कंट्रोल रूम को दी।

» लोगों में दहशत बिना अनुमति के हो रहा था काम
» पीड़ितों ने पुलिस को दी लिखित शिकायत

बात दें कि गाजीपुर थाना क्षेत्र स्थित बस्तौली गांव जैन मंदिर के सामने अपार्टमेंट की दीवार मूसलाधार बारिश से भरभराकर गिर गई। यहां पर बिना परमिशन के खुदाई चल रही थी। इस खुदाई से आस पास के लोगों में डर का माहौल बन गया है। पीड़ितो को कहा है कि बिल्डर इमरान से मकान मालिकों से सांठ गांठ कर तैयार किया जा रहा था अपार्टमेंट। खुदाई से गोविंद प्रसाद, नगीना राम, शांति देवी, बबलू गौतम, राजा राम महतो, पवन गौतम समेत अन्य के मकानों में दरार आई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। मौके पर पुलिस मौजूद है और कार्यवाही कर रही है।

पंजाब में कार और ट्रक की टक्कर महिला और बच्चे सहित चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

होशियारपुर (पंजाब)। पंजाब के होशियारपुर में टांडा रोड पर अड्डा सरां के पास दर्दनाक हादसा हो गया। दुर्घटना कार और ट्रक की भीषण टक्कर होने से हुई। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें सुबह सूचना मिली कि टांडा के अड्डा सारन के पेट्रोल पंप के पास एक भयानक हादसा हुआ है। जिसमें कार में सवार एक बच्चा, दो पुरुष और एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है। कार में सवार लोग टांडा से पीजीआई चंडीगढ़ जा रहे थे, जबकि ट्रक होशियारपुर से टांडा जा रहा था, तभी अड्डा सरां के पास दोनों की टक्कर हो गई। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है, जिसे अमृतसर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटनास्थल पर पुलिस प्रशासन द्वारा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

नागपुर-मुंबई हाईवे पर दो गाड़ियां भिड़ी, सात की मौत

महाराष्ट्र के जालना के पास समृद्धि हाईवे पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया है। समृद्धि हाईवे पर हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हुए हैं। घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका इलाज जारी है। वहीं पुलिस ने भी मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। देर रात 11 बजे समृद्धि हाईवे पर कदावंची गांव के पास मुंबई कॉरिडोर एरिया में ये हादसा हुआ है। मुंबई से लगभग 400 किमी की दूरी पर ये एक्सीडेंट हुआ है। यह दुर्घटना रात करीब 11 बजे हुई, जब एक स्विफ्ट डिजायर कार ईंधन भरवाने के बाद गलत दिशा से राजमार्ग पर आ गई और नागपुर से मुंबई जा रही अर्टिगा से टकरा गई। टक्क र इतनी भयानक थी कि एर्टिगा हवा में उछलकर हाईवे पर लगे बैरिकेड पर जा गिरी, जबकि यात्री गाड़ी से उछलकर सड़क पर आ गिरे। दूसरी कार को टक्कर इतनी जबरदस्त लगी थी कि वो धातु का एक क्षत-विक्षत ढेर बन गई। इस घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।